No. of Printed Pages : 2

ई.एच.डी.-3

02217

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2011

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-3 : हिन्दी-साहित्य का इतिहास एवं साहित्य-परिचय

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।** सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

---

1. लक्षणा एवं व्यंजना शब्द शक्तियों का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए। **20**

अथवा

कल्पना और बिम्ब का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए बिम्ब के भेदोपभेदों की चर्चा कीजिए।

अथवा

हिन्दी विद्वानों द्वारा दी गई साहित्य की परिभाषाओं का विवेचन कीजिए।

2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याओं का विश्लेषण कीजिए। **20**

IGNOU ASSIGNMENT GURU

3. आदिकालीन परिस्थितियों की चर्चा करते हुये बताइए कि इन्होंने किस प्रकार उस युग के साहित्य को प्रभावित किया? 20

4. हिन्दी कृष्ण भक्ति काव्य-परम्परा का परिचय दीजिए। 20

5. रीतिबद्ध कवियों के वर्ण्य-विषय का विवेचन कीजिए। 20

6. द्विवेदी युगीन हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 20

7. समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 20

8. शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना के विकास पर निबन्ध लिखिए। 20

9. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : 2x10=20

(क) भविसयत्त कहा

(ख) छंद में तुक विचार

(ग) प्रमुख प्रगतिवादी कवि

(घ) विशिष्टाद्वैतवाद

(ङ) सहित्येतिहास लेखन के विविध पक्ष

IGNOU ASSIGNMENT GURU